

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का मैराथन धरना, अधिकारियों को चेताया

आगरमालवा। किसानों की विभिन्न समस्याओं और विभागीय स्तर पर बरती जा रही कथित लापरवाही के विरोध में भारतीय किसान संघ तहसील आगर मालवा द्वारा पिपल्सन चौपाटी पर धरना प्रदर्शन किया गया। सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक चले धरने में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान किसान नेताओं ने कृषि, राजस्व और मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के प्रति गंभीरता बरतने की चेतावनी दी। किसान संघ द्वारा कलेक्टर आगर-मालवा के नाम दिए गए ज्ञापन में कृषि एवं

सहकारिता, राजस्व, विद्युत, जल संसाधन तथा बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी कई प्रमुख समस्याओं को उठाया गया है।
फसल बीमा भुगतान में पारदर्शिता की मांग- किसान संघ ने खरीफ वर्ष 2025-26 में सोयाबीन फसल में हुए नुकसान के प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लंबित दावों का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। संघ का आरोप है कि पूर्व में कई बार पत्र एवं ज्ञापन दिए जाने के बावजूद किसानों को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। संघ ने धरना स्थल पर जिले की री-त्रॉपिंग रिपोर्ट उपलब्ध कराने तथा फसल बीमा दावों का पुनः परीक्षण

एवं गणना कराने की मांग रखी।

राजस्व मामलों में देरी पर नाराजगी- किसानों ने बंटवारा, नामांतरण और राजस्व न्यायालयों में लंबे समय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की। संघ ने कहा कि किसानों को छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ज्ञापन में विधिवत नामांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन करने,



सीमांकन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण और राजस्व न्यायालयों के आदेशों का तत्काल पालन कराने की मांग भी की गई।

बिजली व्यवस्था को लेकर भी

समय-सीमा में बदलने तथा किसानों से जुड़े विद्युत कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की गई। किसान संघ ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बिजली संबंधी समस्याओं के

जताया विरोध- धरने में किसानों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। आगामी रबी सीजन को देखते हुए ट्रांसफर्मरों की पर्याप्त उपलब्धता, ओवरलोड ट्रांसफर्मरों पर लोड कम करने, खराब ट्रांसफर्मरों को

समाधान में अनावश्यक देरी की जा रही है। बकाया बिजली बिल की वसूली के नाम पर किसानों के ट्रांसफर्मर बंद करने की कार्रवाई के बजाय नियमानुसार संबंधित उपभोक्ताओं से ही वसूली करने की मांग रखी गई।

सिंचाई और बैंक संबंधी समस्याएं भी उठाईं- जल संसाधन विभाग के समक्ष आगर तहसील के राजस्व ग्रामों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में चल रही सिंचाई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई। वहीं बैंक ऑफ इंडिया सहित बैंकों में किसानों के बचत खातों से अत्यधिक राशि काटे जाने की शिकायत भी ज्ञापन में की गई। किसान

संघ ने मांग की कि पॉडित किसानों की राशि वापस उनके खातों में जमा कराई जाए।

धरने को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि किसान लगातार अपनी समस्याओं को लेकर विभागों के अधिकारियों के समक्ष पहुंच रहे हैं, लेकिन कई मामलों में उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। अधिकारियों की इस कार्यप्रणाली को अब किसान बदोशत नहीं करेंगे। किसान संघ ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण नहीं किया गया तो आगामी दिनों में आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं सख्त किया जाएगा।

दो युवकों की मौत, नशे के ओवर डोज की आशंका

सिविल लाइन थाने और कोतवाली थाने का मामला

विदिशा। जिले में अवैध नशे का कारोबार काफी फल फूल रहा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पुलिस प्रशासन सख्त कदम न उठा रहा हो, लेकिन आखिर ऐसा क्या कारण है कि पुलिस के चाहने के बावजूद भी अवैध नशे के कारोबार पर रोक नहीं लग पा रही है। पिछले 5 महीने में विदिशा नगर में करीब चार-पांच लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे ही दो मामले नगर में फिर सामने आए हैं। दो लोगों की अवैध नशे का ओवर डोज होने के कारण मौत होने की घटना सामने आई है। जिसमें एक मामला सिटी कोतवाली थाने का है और दूसरा मामला सिविल लाइन थाने के अंतर्गत का है। एक दिन में हुई दो घटनाओं ने कहीं न कहीं लोगों के लिए सोचने पर मजबूर कर दिया है आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवा पीढ़ी अवैध नशे में लिप्त होकर भविष्य बर्बाद करने पर तुली हुई है। इस और नगर के लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा और नशे के खिलाफ सड़कों पर उतरकर बासौदा जैसा विरोध प्रदर्शन और लोगों को जागरूक करना पड़ेगा तब कहीं जाकर अवैध नशे के कारोबार पर शिकंजा कसा जा सकता है। शहर में अवैध नशे के कारोबार पर नियंत्रण के पुलिस के प्रयासों के बीच नशे से जुड़ी दो अलग-अलग घटनाओं ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बुधवार को एक ओर सिविल लाइन थाना क्षेत्र की तखतमल कॉलोनी के बगीचे में 22 वर्षीय युवक मृत अवस्था में मिला, जिसके हाथ में इंजेक्शन लगा हुआ था। वहीं दूसरी ओर कोतवाली थाना क्षेत्र के रहने वाले 19 वर्षीय युवक की भीषण मौत हो गई। दोनों मामलों में नशे से जुड़े होने की आशंका सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुटी है।



थाइजेक्शन: सिविल लाइन थाना क्षेत्र की तखतमल कॉलोनी स्थित बगीचे में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे एक युवक बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। काफी देर तक युवक में कोई हलचल दिखाई नहीं देने पर आसपास के लोगों ने पास जाकर देखा तो उसके बाएं हाथ में इंजेक्शन लगा हुआ था और उसकी सांसें उखड़ चुकी थीं। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान 22 वर्षीय विकास दांगी निवासी संग्रामपुर, जिला रायसेन के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना में 19 वर्षीय युवक की भीषण मौत: इसी बीच कोतवाली थाना क्षेत्र के खेड़ापति माता मंदिर के पास गली नंबर-2 निवासी विनोद

रैकवार के 19 वर्षीय बेटे तरुण रैकवार की भीषण मौत होने का मामला सामने आया है। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना से एक दिन पहले तरुण के कुछ साथी उसे अपने साथ लेकर गए थे। परिजनों के अनुसार, उनके साथ रहने वाले युवक पाउडर और इंजेक्शन का नशा करते हैं और वे अपने साथ नशीला पदार्थ भी लेकर गए थे। इसके बाद तरुण की मौत की खबर परिवार को मिली। घटना के बाद परिजनों ने उसके साथ ले जाने वाले युवकों से सख्ती से पूछताछ करने और मामले में कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने आशंका जताई है कि कहीं साथ ले जाने वाले युवकों ने तरुण को भी नशे की गिरफ्त में तो नहीं धकेला था।

दो घटनाओं ने बढ़ाई चिंता: एक ही दिन सामने आई इन दोनों अलग-अलग घटनाओं में युवाओं की मौत ने शहर में बढ़ते नशे के खतरे को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि दोनों मामलों में मौत के वास्तविक कारण अभी जांच का विषय हैं। पुलिस द्वारा घटनाओं से जुड़े लोगों और परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों युवकों की मौत के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

बासौदा में जागरूकता की पहल, विदिशा में भी जरूरत: पिछले दिनों गंजबासौदा में नशे के खिलाफ साधु-संतों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने जन जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया था। रैली के माध्यम से युवाओं और उनके परिवारों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

नेशनल लोक अदालत के लिए बैठक आयोजित

विधिक सेवा प्राधिकरण की जिला सचिव हुई शामिल

समय जगत, सिवनी मालवा। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए न्यायालय परिसर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की जिला सचिव न्यायाधीश के. शिवानी, न्यायाधीश सुश्री अंजली अग्रवाल, सुश्री सरोज डेहरिया और अधिवक्तागण उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला विधिक



सेवा प्राधिकरण जिला सचिव न्यायाधीश के. शिवानी ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामा बाद प्रकरणों को समाप्त कराने के लिए अधिवक्तागण अपने पक्षकारों को समझाइस देकर नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग करें। इस पर अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रकरणों में यदि विधिवत तरीके से तामीली हो और अधिक से अधिक पक्षकार उपस्थित होते हैं तो अधिक प्रकरणों में राजीनामा होकर प्रकरण समाप्त हो सकते हैं। इस पर न्यायाधीश सुश्री डेहरिया ने कहा कि इसके लिए आप अपने प्रकरणों की सूची

जिनमें राजीनामा की संभावना है, उन्हें 8 सितंबर के पहले न्यायालय में उपलब्ध करावें। जिससे जिला पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर प्रकरणों के पक्षकारों को विधिवत तामीली करायी जा सके। न्यायाधीश सुश्री अग्रवाल ने कहा कि समझाइस देकर नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को आयोजित हो रही हैं। जिस तरह आप सभी ने मिलकर पिछली लोक अदालतों को सफल बनाया है। उसी तरह इस नेशनल लोक अदालत में भी पक्षकारों को समझाइस देकर अधिक से अधिक प्रकरणों में राजीनामा कराकर प्रकरणों को समाप्त कराने में सहयोग करें।

उपचुनाव क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन हो – कलेक्टर डॉ. मीना

जिला स्तरीय स्टैपिंग कमेटी की बैठक एवं मीडिया ब्रीफिंग सम्पन्न

आगर मालवा। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा जिले में आकरिष्मक रूप से रिक्त हुए पदों के लिए उप निर्वाचन-2026 पूर्वाह्न की घोषणा कर दी गई है। जिले की नगर परिषद सुसनेर के अध्यक्ष का पद वर्तमान में रिक्त है। चूंकि इस बार नगर परिषद अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होना है, इसलिए नगर परिषद सुसनेर के सभी 15 वार्डों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है, जो 03 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगी। नगर परिषद सुसनेर में 15 वार्ड, कुल 17 मतदान केन्द्र हैं, जिनमें कुल 13843 मतदाता हैं, जिसमें महिला-6928, पुरुष-6914 एवं अन्य में 01 मतदाता है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शेर सिंह मीना ने एवं एसपी दिलीप सोनी की उपस्थिति में जिला स्तरीय स्टैपिंग कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उप निर्वाचन कार्यक्रम की



विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रतिबंधात्मक आदेश, कोलाहल नियंत्रण आदेश, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग आदि के बारे में बताया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने अवगत करवाया कि आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार 08 सितम्बर 2026 से नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जो 15 सितम्बर 2026 को अपराह्न 03.00 बजे तक चलेगी। नाम निर्देशन पत्र लेने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सुसनेर को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी अनुक्रम में 16 सितम्बर से प्राप्त नाम-निर्देशन पत्रों की जांच (संश्लेष) होगी एवं 18 सितम्बर 2026 तक अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी की तुरंत बाद ही निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर प्रतिक चिन्ह रिटर्निंग अधिकारी द्वारा ऑक्टेट किये जायेंगे। प्रतिक चिन्ह आवंटन पश्चात मतपत्र मुद्रण की कार्यवाही नोडल

अधिकारी द्वारा की जायेगी। इसके बाद 29 सितम्बर 2026 दिन-मंगलवार को प्रातः 07.00 बजे से मतदान प्रारंभ होगा, जो अपराह्न 05.00 बजे तक चलेगा। मतदान के बाद 03 अक्टूबर 2026, शनिवार को प्रातः 09.00 बजे से मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा निर्धारित स्थान पर की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों एवं नागरिकों से आदर्श आचार संहिता का पालन करने तथा निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करने की अपील की है। बैठक एवं मीडिया ब्रीफिंग में एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, एसपी रविन्द्र बोयत, एसडीएम सुश्री देवकुमार सोलंकी, एसडीओपी देवनारायण यादव, स्टैपिंग कमेटी सदस्य अशोक प्रजापत, ईश्वर अजमेरिया, अनमोल वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे।

सार-समाचार

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उ.मा.वि. आगर की छात्राओं की समस्याओं का त्वरित समाधान



आगर मालवा। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय आगर में अध्ययन के लिये निपानिया बैननाथ से आने वाली छात्राओं की समस्याओं का त्वरित समाधान कर दिया है। कलेक्टर एवं एसपी के निर्देश पर आरटीओ ने निपानिया बैननाथ रूट से आगर आने वाली बसों के ऑपरेटरों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन स्कूल आने वाली छात्राओं का निपानिया बैननाथ से अपनी बसों से बैठाकर आगर तक अनिवार्य रूप से लाए। सभी बस ऑपरेटरों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे स्कूली छात्र-छात्राओं को किराये देने के बावजूद भी बस बैठाने से इंकार न करें, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि निपानिया बैननाथ की आगर आने वाली छात्राओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना एवं एसपी दिलीप सोनी से भेंटकर उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी और आरटीओ निर्देशित कर छात्राओं की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस पर निपानिया बैननाथ रूट के सभी बस ऑपरेटरों ने उक्त छात्राओं की बस से आगर तक की सहमति प्रदान की। अपनी समस्या का त्वरित समाधान पाकर स्कूली छात्र-छात्राएं खुशी-खुशी अपने घर को रवाना हो गईं।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित



अशोकनगर। शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जायेगा। अभियान के संचालन हेतु कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में तैयारियों के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्धारित बिन्दुओं के अनुसार अभियान अंतर्गत गतिविधियां संचालित की जाए। इस हेतु पहले से ही प्लान तैयार रखा जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग समन्वय के साथ अभियान अंतर्गत गतिविधियां आयोजित की जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अपर कलेक्टर दीपनसिंह, संयुक्त कलेक्टर सोमन जैन, विकास कुमार आनंद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा ने मनाई भगवान बलराम जयंती

समय जगत, आगर मालवा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा बुधवार को भगवान बलराम की जिला स्तर पर भाजपा जिला कार्यालय पर जयंती मनाई गई। बलराम जयंती पौराणिक मान्यताओं के अनुसार बलराम ने अपने हाल से नंदियों के मार्ग मोर और धर्म की रक्षा के लिए अश्वर्मा का नाश किया। कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जिला दिनेश परमार, विक्रम बोडाना पार्षद, कालू सिंह चौहान, तुषार सिंह चौहान, संतोष यादव, सुनील नैन एक्टरमैन, राजेश सिसोदिया एक्टरमैन, राजेश मेवाड़ा दीपक गुप्ता आदि उपस्थित थे।

विदिशा। बुधवार को व्यापार महासंघ के सदस्य बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन दिया गया। उन्होंने बताया कि नगर में डीजे संचालकों द्वारा धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में बाजार में जुलूस आदि निकाले जाने पर बहुत ही अधिक तेज आवाज में बजाए जा रहे हैं। जिसके कारण से बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और आम लोगों को भी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मुख्य बाजार से सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान जो को तेज आवाज में बजाया जाता है। जिससे लोगों के लिए काफी परेशानियां उत्पन्न पड़ती है। लोगों की जान की परवाह नहीं कर रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट की निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा

रहा है। उन्होंने आवेदन देकर पुलिस अधीक्षक से तेज आवाज में बजने वाले डीजे पर रोक लगाने की मांग की है। व्यापार महासंघ अध्यक्ष राजेश जैन, नरेंद्र सोनी, विवेक शर्मा, आशीष माहेधरी ने बताया कि डीजे वाले जलसा, जुलूसों या धार्मिक कार्यक्रमों, यात्राओं में तेज साउंड से डीजे बजाते हैं। इससे सबसे ज्यादा हार्ट के मरीज प्रभावित होते हैं, उनकी जान का भी खतरा बना रहता है। साथ ही बहरेपन एवं कान का पदार्थ फटने का डर लगा रहता है। वहीं रोड पर जब डीजे बजते हुए निकलता है तब साउंड इतना तेज होता है कि



दुकानों में रखे हुए सामान अपने आप बावहेट होने से गिरने लगते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी, आम नागरिक, महिलाएं एवं बच्चे सभी डीजे की तेज आवाज से परेशान हैं। उच्चतम न्यायालय के नियमानुसार रात 10 बजे के बाद डीजे बजना प्रतिबंधित है और शासन के निर्धारित डेसिबल से अधिक तेज आवाज में नहीं बजाया जा सकता है। बिना

वसूला जाए एवं उन पर कानूनी कार्यवाही की जाए। पूर्व में भी विदिशा व्यापार महासंघ के व्यापारिक संगठनों ने ज्ञापन देकर प्रशासन और पुलिस से तेज आवाज में चल रहे ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर कार्यवाही करने का निवेदन किया था, लेकिन लंबे समय से शासन प्रशासन की ओर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अति शीघ्र तेज आवाज में बजने वाले

डीजे पर कानूनी कार्यवाही कर आमजन को राहत प्रदान की जाए। तेज आवाज वाले डीजे पर सख्त कार्यवाही न होने की स्थिति में व्यापार महासंघ कठोर निर्णय लेने को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि नगर के लोगों को होने वाली परेशानियों की ओर ध्यान देना चाहिए। धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे को कम आवाज में बजाने दिया जाए। अगर इसके बावजूद भी डीजे अपनी मनमर्जी से तेज आवाज में बजता है तो ऐसे डीजे को शादी या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में न लगाया जाए। जिससे लोगों को होने वाली परेशानियों से बचाया जा सके। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापार महासंघ के अन्य सदस्य मौजूद थे।

आचार्य राजतिलक सूरेश्वरजी महाराज का जीवन त्याग, तप और सादगी की प्रेरणा : पन्यास प्रवर यशोजीत विजयजी

29 वें स्वर्गारोहण पर्व पर तीन दिवसीय रत्नत्रयी तपोत्सव का आयोजन, किला मंदिर में हुआ आर्यबिल तपोत्सव एवं पारणा

समय जगत, आष्टा। श्री नेमिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर किला के उपाश्रय में चल रहे चातुर्मास के दौरान पन्यास प्रवर यशोजीत विजयजी महाराज ने आशीष वचन देते हुए परम उपकारी गुरुदेव प.पू. आचार्य श्रीमद विजय राजतिलक सूरेश्वरजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री का संपूर्ण जीवन तप, त्याग, संयम, सादगी और आत्मसाधना की प्रेरणा देता है। उन्होंने 84 वर्ष की आयु में आज ही के दिन श्रावणी पंचमी के दिन प्रातः 8.10 बजे देह त्याग कर स्वर्गारोहण किया।

पन्यास प्रवर ने कहा कि आचार्य राजतिलक सूरेश्वरजी महाराज को समाजजनों ने 14 हजार 394 आर्यबिल करने के कारण वर्धमान तपोनिधि एवं तपस्वी सम्राट जैसी उपाधियों से विभूषित किया था, लेकिन इतनी कठिन तपस्या के बावजूद उनके जीवन में सहजता और सरलता कूट-कूटकर भरी थी। वे अनावश्यक बातें नहीं करते थे और अधिक समय मौन रहकर प्रसन्नचित्त मुद्रा में

आत्मसाधना में लीन रहते थे। वर्ष 2019 में गुजरात के राजपुर में उन्हें आचार्य पद प्रदान किया गया था। वर्ष 2022 में उन्हें गणि एवं पन्यास प्रवर की पदवी सौंपी गई थी।

घर से मिले धर्म संस्कार, प्रवचन सुनकर जागा वैराग्य

महाराजश्री ने बताया कि आचार्य राजतिलकजी महाराज को बचपन से ही घर में धर्म के संस्कार मिले। आचार्य रामचंद्र सूरेश्वरजी महाराज की देशना अर्थात प्रवचन सुनने से उनके भीतर वैराग्य का भाव जागा। दान सूरेश्वरजी एवं प्रेम सूरेश्वरजी महाराज के सानिध्य से यह सूरेश्वरजी महाराज को समाजजनों ने 14 हजार 394 आर्यबिल करने के कारण वर्धमान तपोनिधि एवं तपस्वी सम्राट जैसी उपाधियों से विभूषित किया था, लेकिन इतनी कठिन तपस्या के बावजूद उनके जीवन में सहजता और सरलता कूट-कूटकर भरी थी। वे अनावश्यक बातें नहीं करते थे और अधिक समय मौन रहकर प्रसन्नचित्त मुद्रा में

भाव से पहुंचे थे कि दीक्षा नहीं लेनी है, लेकिन वहां पहुंचते ही साहबजी ने कहा कि 'रतौलाल आ गया है, दीक्षा की तैयारी हो चुकी है।' इसके बाद मंदिर में स्थापनाश्री के समक्ष बिना किसी बरबोड़े आदि के अत्यंत सादगीपूर्ण ढंग से उनकी दीक्षा संपन्न हुई।

दाढ़ के दर्द ने आर्यबिल की साधना से जोड़ा: पन्यास

प्रवर ने आचार्यश्री की कठोर तपस्या का प्रसंग बताते हुए कहा कि बड़ी दीक्षा के लिए आर्यबिल की साधना करना आवश्यक था। रतौलालजी को उस समय आर्यबिल करना नहीं आता था। गुरु महाराज ने स्वयं उन्हें सिखाया। दाढ़ में तकलीफ के दौरान भी उन्होंने तप की साधना जारी रखी। बीमारी से निर्विकट होने के बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन आर्यबिल की साधना को समर्पित करने का संकल्प लिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जीवन में

14,394 आर्यबिल की महान तपस्या की। उन्होंने कहा कि आचार्य राजतिलक सूरेश्वरजी महाराज को जीवदया से भी बहुत प्रेम था। उनका जीवन बताता है कि धर्म केवल भौतिक सुविधाओं से प्राप्त नहीं होता। भौतिक सुविधाओं की चाहत सभी को होती है, लेकिन मनुष्य अपनी आत्मा को उत्थान के मार्ग पर किस प्रकार ले जाए, यह सर्वोपरि होना चाहिए। अच्छी बात सीखने के लिए उम्र नहीं देखी जाती कि बात बच्चा कह रहा है या बड़ा व्यक्ति।



पर्वण पर्व में पौषध, एकासना और स्वाध्याय का आह्वान: पन्यास प्रवर यशोजीत विजयजी महाराज ने कहा कि पर्वण पर्व समीप है। सभी श्रावक-श्राविकाएं इस दौरान अधिक से अधिक धर्म आराधना करें। पौषध करने का प्रयास करें और यदि पौषध संभव न हो तो एकासना करें। अधिक से अधिक समय

कारक चातुर्मास समिति आष्टा के तत्वावधान में किला मंदिर में 30 अगस्त से 1 सितंबर तक तीन दिवसीय रत्नत्रयी तपोत्सव आयोजित किया गया। पहले दिन 30 अगस्त को प्रातः 8.45 बजे महाराज चंद्र एवं तपस्वी सम्राट के अग्रणी के साथ सिद्धितप उद्यान रूपी भव्य संवेदना 16 श्रेष्ठ स्वरों के साथ हुई। प्रातः 11.30 बजे श्रीसंध का स्वामी वात्सल्य रखा गया, जिसकी लाभार्थी श्रीमती साधनादेवी पीयूषजी आयुषजी देशलहरा परिवार रहा।

दूसरे दिन 31 अगस्त को प्रातः 9 बजे प्रवचन तथा प्रातः 10.4 बजे अक्षय निधि तप संवेदना एवं वरषोढ़ा-कुंभ स्थापना का कार्यक्रम हुआ। तीसरे दिन 1 सितंबर को प्रातः 8.45 बजे भव्य गुणानुवाद सभा, दोपहर 11.30 बजे सामूहिक श्रीसंध आर्यबिल तथा शाम 6.30 बजे गुरु मंदिर में भव्य महापूजा के साथ गुरुगुण संवेदना का आयोजन रखा गया।

45 आर्यबिल तप की पूर्णता की ओर, किला मंदिर में पारणा: इसी अवसर पर किला मंदिर में 45 आर्यबिल तप की आराधना कर रहे तपस्वियों का तप पूर्णता के लाभार्थी निर्मल कुमार अंकुर रांका परिवार रहा। इसके उपलक्ष्य में पारणा सूचना के अनुसार 1 सितंबर को प्रातः 8.30 बजे किला मंदिरजी में पारणा रखा गया। पारणा के लाभार्थी श्री भूरमलजी लाभमलजी सिंधी परिवार हैं। चातुर्मास समिति एवं सकल श्रीसंध ने सभी श्रद्धालुओं से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर तपस्वियों की अनुमोदना करने का आग्रह किया है। तीन दिवसीय आयोजन श्री आत्म उत्थान कारक चातुर्मास समिति आष्टा के निर्देशन में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हो रहा है। समिति अध्यक्ष दिनेश सुराणा एवं महासचिव संजय सिंघवी सहित चातुर्मास समिति के सदस्य आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय आदर्श महाविद्यालय में 'बलराम जयंती एवं एक राखी एक संकल्प' का किया गया आयोजन



समय जगत,हरदा। शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ महेंद्र कुमार सिरोही ने सर्वप्रथम एक पेड़ मां के नाम अभियान में कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण और रक्षाबंधन के त्योहार में पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा से सामाजिक रिश्तों का प्रकृति में जीवन की उपयोगिता को समझाया। इसके उपरान्त बलराम जयंती के उपलक्ष्य में बलराम की जीवन गाथा से विद्यार्थियों को परिचित करवाया एवं शारीरिक गतिविधि के अंतर्गत रस्सा कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बड़े उमंग एवं उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ाधिकारी भारती चंदेल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी सोनेन्द्र रणदा द्वारा किया गया। इस पावन पर्व पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिलवानी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर 7.50 लाख का ट्रैक्टर किया बरामद



समय जगत, सिलवानी। थाना सिलवानी की चौकी जैथारी पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 7.50 लाख रुपये कीमत का आयशर 548 ट्रैक्टर बरामद किया है। मामले में एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार फरियदों संजु, रघुवंशी निवासी ग्राम बीकलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने मई 2026 में आयशर 548 ट्रैक्टर 15 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर लिया था। ट्रैक्टर को बीकलपुर वेयरहाउस के पास स्थित मकान के बाहर खड़ा किया गया था, जहां से अज्ञात चोर उसे पीछे लगे कल्टीवैटर सहित चोरी कर ले गए। चोरी गए ट्रैक्टर की कीमत लगभग 7.50 लाख रुपये बताई गई। शिकायत पर थाना सिलवानी में प्रकरण क्रमांक 265/26, धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष गुप्ता के निर्देशन तथा एसडीओपी सिलवानी कुंवर सिंह मुकाती के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक संजीत परते के निर्देशन एवं चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील सिंह भदौरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं लगातार सर्वे अभियान के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस ने 1 सितंबर 2026 की रात करीब 1 बजे जंगल क्षेत्र से चोरी गया ट्रैक्टर बरामद कर लिया। इस दौरान ट्रैक्टर चलाकर ले जा रहे दो आरोपियों राहुल अहिरवार (20 वर्ष), निवासी ग्राम रैपुरा एवं राजेन्द्र अहिरवार (18 वर्ष), निवासी ग्राम चुन्हेटिया को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं मामले का तीसरा आरोपी राजेन्द्र अहिरवार, निवासी ग्राम रैपुरा अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक संजीत परते, उपनिरीक्षक सुनील सिंह भदौरिया, सहायक उपनिरीक्षक परसराम सरलाम, प्रधान आरक्षक प्रेम सिंह राजपूत, आरक्षक विनय कुमार, सोहतर उडके तथा सैनिक शुभम राजपूत की महत्वपूर्ण एवं सराहीनीय भूमिका रही।

सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कच्चा, कलेक्टर से गुहार बेअसर, रहवासियों में दिखा आक्रोश

समय जगत, इंदौर। तहसील बिचौली के ग्राम दुधिया में शासकीय भूमि पर सालों से चल रहे सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कच्चे का मामला सामने आया है। शिवालिक परिसर और प्रधानमंत्री आवास योजना, देवगुणाडिया के रहवासियों ने आरोप लगाया है कि गोविंद यादव परिवार द्वारा रास्ते और पास के नाले पर मिट्टी-मलबा डालकर उसे पूरी तरह बंद कर दिया गया है। रहवासियों के अनुसार, यह रास्ता ही एकमात्र आवागमन का साधन है, जिस पर से सैकड़ों लोग और छोटे-बड़े वाहन रोज निकलते हैं। रास्ते के पास से गुजरने वाला नाला शिवालिक परिसर के पल्लेटों के गंदे पानी और बारिश के पानी की निकासी का मुख्य माध्यम है। रास्ता बंद होने से न केवल आवागमन बाधित हुआ है, बल्कि बारिश में जलभराव और गंदगी की समस्या भी गहरा गई है। पीड़ित रहवासियों ने बताया कि मौके पर बड़े-बड़े मलबे के ढेर लगा दिए गए हैं, जिससे पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। इस संबंध में समस्त रहवासियों ने कलेक्टर इंदौर एवं ग्राम पंचायत दुधिया के सरपंच, सरस्वतीचौली, तहसीलदार को लिखित शिकायत देकर अवैध कच्चा हटाने की मांग की है। शिकायत पर सभी कार्यालयों की लेकिन रहवासियों का कहना है कि अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करार सुरक्षित किया जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए ताकि आम जनता को न्याय मिल सके।



बेगमगंज में वरिष्ठ कांग्रेसजनों , मीडियाकर्मियों का हुआ सम्मान



समय जगत, बेगमगंज। संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से बेगमगंज के इतिहास में पहली बार वरिष्ठ कांग्रेसियों का

सम्मान समारोह जलशा गॉर्डन में पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा के मुख्य अतिथि, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व विधायक देवेंद्र

पटेल एवं सिलवानी विधानसभा प्रभारी विजय सिंह लोधी राहतगढ़ के विशेष अतिथि तथा मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री राजेंद्र कुशवाहा, गोपाल सराटे, कन्हैया लाल साहू ज्योति, अकरम पटेल पार्षद, अहमद अली आयोजित किया गया। जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसजन सम्मान समारोह में अतिथियों द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठजनों में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष रमेश पराशर, चांद मिश्रा एडवोकेट, संतोष कंडया, अख्तर लाला, लक्ष्मण पटेल, गोविंद पटेल, डॉ. जेपी पटेल, नरेंद्र जैन, राघव सिंह जाट, मेशे शर्मा, मृतसिंह ठाकुर एडवोकेट, ओपी त्रिवेदी एडवोकेट,

अरविंद श्रीवास्तव एडवोकेट, सोहन लाल चतुर्वेदी, मंशराम पंथी पटवारी, हरिश्चंकर पटवारी, शिवनारायण निखार, मान सिंह कुशवाहा, गोपाल सराटे, कन्हैया लाल साहू ज्योति, अकरम पटेल पार्षद, अहमद अली पार्षद, जफर शाह पार्षद, साकिर मंसूरी पार्षद, मलखानसिंह गुजर, छोटेलाल लोधी, चिरौंजी लाल, देवी सिंह यादव, बाबू भाई राइन, इरशाद बाबू, अशोक जैन, कैलाश समैया, स्वदेव गुप्ता, बबलू जैन भाटिया, कृष्णा विश्वकर्मा, राजेन्द्र शिल्पकार, राकेश समैया, श्यामनारायण रावत, इर्याद सहित 350 वरिष्ठजनों एवं पत्रकारों को शाल

श्रीफल देकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल रायसेन, विजय लोधी राहतगढ़, राजेंद्र सिंह तोमर, चांद मिश्रा एडवोकेट, विधायक देवेंद्र पटेल एवं पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित कर नेताओं, कार्यकर्ताओं संगठन को मजबूती देने और जनविरोधी, युवा विरोधी भाजपा की सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन पवन दुबे, मनोज अग्रवाल एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने व्यक्त किया।

सशक्त युवा सशक्त भारत अंतर्गत जागरुकता शिविर का किया गया आयोजन

समय जगत, बेगमगंज। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अनिल कुमार सुहाने रायसेन के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति बेगमगंज के द्वारा नालसा जागृति स्क्रीम अंतर्गत सशक्ति युवा सशक्त भारत अभियान के तहत शासकीय सांदिपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेगमगंज में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बेगमगंज श्रीमती सविता ओगले द्वारा नालसा जागृति स्क्रीम 2025 अंतर्गत सशक्त युवा सशक्त भारत अभियान अंतर्गत उपस्थित विद्यार्थियों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि हमारे संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिकों को समान अधिकार प्रदत्त किए गए हैं जिन्हें मूल अधिकार अथवा मौलिक अधिकार कहा जाता है यह अधिकार जैसे-समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, किशोरी न्याय, बाल अधिकार एवं साइबर सुरक्षा के संबंध में बच्चों को विस्तार पूर्वक समझाया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्कूल बस दुर्घटना को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्कूल डायरेक्टर को सौंपा ज्ञापन

समय जगत,हरदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा विगत दीवस नांदा के समीप संस्कार स्कूल बस दुर्घटना को लेकर विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री निकुंज शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं संस्कार स्कूल के डायरेक्टर को ज्ञापन देते हुए कहा कि नांदा ग्राम के पास हुई संस्कार स्कूल बस दुर्घटना के संबंध में लापरवाही बरतने वाले दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं स्कूली बसों के फिटनेस परमिट ड्राइवर वरिफिकेशन जर्जर बसों की जांच कर तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। वहीं जिला शिक्षा



अधिकारी ने कहा कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित स्कूल प्रशासन को नोटिस दिया जाएगा, वहीं संस्कार स्कूल के डायरेक्टर द्वारा विद्यार्थी परिषद को आश्वासन दिया गया कि परिषद की बात एवं बच्चों के भविष्य को

ध्यान में रहते हुए स्कूल स्तर पर जांच समिति बनाई जाएगी तथा स्कूल से संबंधित सभी बसों की परमिट ड्राइवर वरिफिकेशन चेक किया जाएगा एवं जर्जर बसों को स्कूल से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। वहीं परिषद के कार्यकर्ता शुभम ढोके, विकास, केतन, आशीष, रुद्र, प्रियांशु, दानिश ने कहा कि इन बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्यवाही की जाए नहीं तो विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य रहेगी।

रक्षाबंधन पर बहनों के स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत हुए मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल

बरेली के मानस सत्संग भवन में राखी के पवित्र बंधन ने किया भाई-बहन के अटूट रिश्ते को साकार

समय जगत, बरेली। भाई-बहन के पवित्र, आत्मीय और अटूट प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की भावनाओं को साकार करता एक अत्यंत स्नेहमय और भावपूर्ण दृश्य नगर के मानस सत्संग भवन में देखने को मिला। यहां मध्यप्रदेश शासन के मंत्री एवं उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेन्द्र पटेल के हाथों में क्षेत्र की बहनों ने श्रद्धा, विश्वास, प्रेम और अपनत्व के पवित्र धागे बांधकर उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। मंत्री का कहना है कि बहनों के जीवन समृद्धि नए रां खिले स्नेह पूरा आशीर्वाद की डोर मजबूत बनी रहे नर्मदा मैया से मंगल कामना करता हूं हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश भाजपा सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए निरंतर कल कर रही है मेरी बहनों आपका यह भाई हमेशा आपकी सेवा में सदैव संकल्पित है।



स्नेह, सम्मान और आजीवन साथ निभाने का पवित्र संकल्प है। इसी भावना के साथ बहनों ने मंत्री पटेल की कलाई पर राखी बांधी और उनके सुखी, स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। बहनों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उनके प्रिय लाडले भैया निरंतर जनसेवा के पथ पर अग्रसर रहें, उनके यश, सम्मान और कीर्ति में निरंतर वृद्धि हो तथा वे सदैव विश्वासियों और बहनों के स्नेह एवं विश्वास पर खरे उतरते रहें। इस अवसर पर मानस सत्संग भवन का वातावरण आत्मीयता और



पारिवारिक स्नेह से सराबोर दिखाई दिया। बहनों के चेहरों पर अपने प्रिय भाई के प्रति सम्मान और अपनत्व की चमक थी, वहीं मंत्री नरेन्द्र पटेल भी बहनों के इस निश्छल प्रेम और अमूल्य आशीर्वाद से भावविभोर नजर आए। मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने बहनों द्वारा दिए गए प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद के प्रति अपनी हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बहनों का आशीर्वाद और विश्वास उनके लिए किसी भी सम्मान से बढ़कर है। बहनों का स्नेह उन्हें जनसेवा के कार्यों को और अधिक समर्पण, निष्ठा और

संवेदनशीलता के साथ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने इस पावन अवसर पर उपस्थित बहनों का आत्मीय अभिनंदन करते हुए उन्हें भेंट भी प्रदान की। बहनों ने भी अपने प्रिय लाडले भैया के स्नेहपूर्ण व्यवहार और आत्मीयता के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। रक्षाबंधन का यह आयोजन केवल राखी बांधने का एक अवसर नहीं रहा, बल्कि यह भाई और बहनों के बीच वर्षों से बने विश्वास, प्रेम और आत्मीय संबंधों का जीवंत उत्सव बन गया। मंत्री नरेन्द्र पटेल और उदयपुरा

और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। बहनों की मंगलकामनाओं के साथ कार्यक्रम का वातावरण प्रेम, स्नेह, श्रद्धा और पारिवारिक आत्मीयता से लंबे समय तक सराबोर रहा। वास्तव में, राखी के इन पवित्र धागों में केवल बहनों का प्रेम ही नहीं, बल्कि अपने प्रिय भाई के उज्ज्वल भविष्य, निरंतर यश और सफल जनसेवा की अनंत शुभकामनाएं भी बंधी हुई थीं।

इनकी रही उपस्थिति : कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी, उपाध्यक्ष नेपाल सिंह राजपूत, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक राजपूत, वीधायक प्रीतिनिधि राजेश साहू, अवनशी पारिवारिक अपनानुप जुड़ु जाट है, तब वे एक मजबूत सामाजिक बंधन का रूप ले लेते हैं।

मानस सत्संग भवन में बहनों द्वारा अपने प्रिय लाडले भैया को बांधी गई राखियां और उनके द्वारा दिया गया आशीर्वाद निश्चित रूप से मंत्री पटेल के लिए जनसेवा की राह में नई ऊर्जा

संपादकीय

देश की आर्थिक विकास दर ने बढ़ाई उम्मीद

वैश्विक स्तर पर जारी उथल पुथल एवं प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था गतिशील बनी हुई है। दिनांक 31 अगस्त को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रैल-3 - जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/ इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है तथा यह देश की आर्थिक प्रगति के दृष्टिकोण से सकारात्मक संकेत है।

राष्ट्रीय एकता परिषद की सक्रियता है जरूरी

राजीव सचान
इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जब यह कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद यह वृद्धि देश के लोगों की सामूहिक शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का परिणाम है तो कांग्रेस को यह बिल्कुल पस नही आया। उसने अर्थव्यवस्था की तमाम कमजोरियों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार को निशाने पर लिया। ऐसा नहीं है कि आर्थिक मोर्चे पर किसी तरह की समस्याएं नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य उन्हें गिनाना नहीं, बल्कि यह सिद्ध करना था कि जीडीपी में वृद्धि किसी तरह की उपलब्धि नहीं है। उसने यह काम पूरी शिद्दत से किया और इसके लिए कई प्रवक्ताओं को मैदान में उतारा। निःसंदेह किसी को यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि विपक्ष सरकार की प्रशंसा करेगा। विपक्ष का काम सरकार की खामियों को इंगित करना और उसकी गलतियों के लिए उसे कठघरे में खड़ा करना है। इससे ही सरकारों पर दबाव बनता है और वे सही तरह काम करने के लिए बाध्य होती हैं, लेकिन पिछले लगभग दो दशकों से असहमति की राजनीति अपनी हदों को पार कर विरोध के लिए विरोध की राजनीति में बदल चुकी है। विरोध के लिए विरोध की राजनीति के चलते आज राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण, छिद्रान्वेधी और नकारात्मक हो गया है कि यदि कोई नेता ऐसा कुछ कह दे कि नियमों का पालन करें और संयम एवं अनुशासन का परिचय दें तो विरोधी दल के नेता इसका भी विरोध करने के लिए आगे आ सकते हैं। इसके लिए उनके पास तरह-तरह के (कु)तर्क भी होंगे। कुछ वर्ष नकारात्मक राजनीतिक विमर्श का असर सामाजिक विमर्श पर भी पड़ रहा है।

यह एक तथ्य है कि सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों पर विचार-विमर्श का स्थान गाली-गलौज ने ले लिया है। इसका कारण यह है कि राजनीतिक दलों के आइटी सेल विरोधी दलों के नेताओं पर प्रायः बिलो द बेल्ट यानी अपमानजनक प्रहार करते ही रहते हैं। अब ऐसी प्रहार करने के लिए एआइ का भी सहारा लिया जा रहा है। कई बार इसकी चपेट में महिला नेता भी आ जाती हैं। इसके नतीजे में राजनीतिक और सामाजिक माहौल बुरा हो रहा दूषित हो रहा है। इस प्रदूषण के दूर होने की कोई सूरत नहीं दिखती। कटुतापूर्ण राजनीति ने महापुरुषों को भी बांट दिया है। अब राजनीति और समाज के स्तर पर लोग किसी राष्ट्रीय दायित्व या अभियान के प्रति कठिनाई से ही एकमत और एकजुट होते दिखते हैं, जबकि देश की कई समस्याएं ऐसी हैं, जिन्हें लोगों की सामूहिक भागीदारी से ही दूर किया जा सकता है, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी से मुक्ति। आज स्वच्छ भारत जैसे अभियान असरहीन होते दिख रहे हैं तो इसीलिए कि इस अभियान में आम जनता की पहली जैसी भागीदारी नहीं दिखती। जब यह अभियान शुरू हुआ था तो आम लोगों की इसमें दिलचस्पी और भागीदारी दिख रही थी कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैले, लेकिन अब वह दिखाई नहीं देती। यह एक ऐसा अभियान है, जो आम जनता की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता। यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से रोकने के लिए सक्रिय-सचेत नहीं रहते तो सरकारें और उनकी एजेंसियां कुछ भी कर लें, बात बनने वाली नहीं है। विडंबना यह है कि जब से यह अभियान शुरू हुआ, तबसे शायद ही किसी विपक्षी नेता ने इसे सफल बनाने में अपने लोगों को भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया हो। कुछ ऐसी ही स्थिति बेंटी बचाओ, बेंटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की भी है। विरोधी राजनीतिक दलों को लगता है कि जिस दल ने इन अभियानों को शुरू किया, उनके लोगों को ही इनमें भागीदार बनने की आवश्यकता है। शायद यही कारण है कि हर घर तिरंगा जैसे अभियानों में भी सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी नहीं दिखती। इसमें गहन संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विरोधी राजनीतिक दल किसी तरह का उत्साह-उमंग दिखाते होंगे। हैरानी नहीं कि मोदी सरकार के हटते ही इस दिवस को मनाना ही बंद कर दिया जाए।

यह एक तथ्य है कि जनभागीदारी वाले कई सामाजिक अभियान महज मोदी सरकार के अभियान बनकर रह गए हैं। यह स्थिति तब है, जब देश में कई समस्याएं ऐसी हैं, जिनका समाधान जनता की सामूहिक भागीदारी से ही किया जा सकता है। संकट यह है कि अब राजनीतिक दल किसी भी मुद्दे पर एकमत नहीं होते-न तो संसद में और न ही संसद के बाहर। हालांकि इसके लिए राष्ट्रीय एकता परिषद के रूप में एक मंच है, लेकिन वह लंबे समय से निष्क्रिय है। यह सही समय है कि इस निष्क्रिय मंच को सक्रिय किया जाए। राष्ट्रीय एकता परिषद एक गैर-संवैधानिक निकाय है। इस परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं। इसके सदस्यों में सभी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों के नेता, विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष, उद्योग, व्यापार, मीडिया और श्रमिक संघों के प्रतिनिधि होते हैं। इसकी स्थापना 1961 में की गई थी। कहीं यह मंच इसलिए तो निष्क्रिय नहीं कि इसकी स्थापना प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी? जो भी हो, यह ध्यान रहे कि इस परिषद का उद्देश्य सांप्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और संकीर्णता जैसी समस्याओं का सामना करना था।

न्यूयॉर्क में मोहन भागवत ने दिया वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश

नजरिया

भागवत का संदेश अमेरिका में भारतीय मूल की नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है। पहली पीढ़ी के प्रवासी प्रायः भारत से भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं, जबकि दूसरी और तीसरी पीढ़ी अमेरिकी सामाजिक परिवेश में पली-बढ़ी है। उनके सामने प्रश्न रहता है कि वे अपनी भारतीय सांस्कृतिक पहचान को अमेरिकी नागरिकता के साथ किस प्रकार संतुलित करें।

डॉ. प्रवीण दाताराम
विश्व में अमेरिका अब एक सर्वाधिक विविधता भरा समाज बन गया है। अमेरिका को सौजन्यशाली विविधता देने में भारत का सबसे बड़ा योगदान है। अमेरिका में बसे अनेक प्रकार के भारतीय समुदाय आज अमेरिकी समाज को एक इंद्रधनुष का रूप देते हैं। यह हमारे लिए गौरान्वित करने वाला विषय है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्कूायर गार्डन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का भाषण सुनकर अमेरिका की एक प्रचलित कहावत स्मरण हो आई है 'प्लूरिबस यूनम' अर्थात् 'अनेक से एक'। भागवत जी ने अनेक ऐसे बिंदु चिह्नित किए जहाँ, वसुधैव कुटुम्बकम और अमेरिकी ई प्लूरिबस यूनम परस्पर पूरक और पर्याय सिद्ध होते हैं। सबसे बड़ी बात, उनका संदेश केवल अमेरिका में बसे भारतीयों के लिए नहीं था; उसमें भारत, भारतीयता, विविधता, सह-अस्तित्व और विश्व-मानवता के प्रति एक व्यापक दृष्टि का विकास क्रम था। भागवत जी ने अपने प्रबोधन में विविधता को भारत की शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि भारत की एकता विविधताओं से सजती है और विविधता में केवल परस्पर एडजस्ट करना पर्याप्त नहीं है, विविधता को स्वीकार कर उसे सम्मान और संरक्षण भी देना होगा। यही भारतीय दर्शन है। धार्मिक, नस्लीय और सांस्कृतिक प्कवीकरण के चक्र फँसे वर्तमान विश्व हेतु यही आवश्यक है। हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट वक्तव्य था। उन्होंने दो टुक उस सोच को नकारा कि भारत में मुसलमानों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम समाज को साझा पूर्वजों से जोड़ते हुए सेम डीएनए की बात भी दोहराई। भारतीय-अमेरिकी समुदाय आज अमेरिका के सर्वाधिक सफल और प्रभावी प्रवासी समुदाय में से एक है। उसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अनेक भाषाई-सांस्कृतिक समूह शामिल हैं। यदि भारतीय मूल के लोग अपनी भारतीय पहचान को किसी एक धार्मिक पहचान तक सीमित न करके एक साझा सभ्यतागत पहचान के रूप में देखते हैं, तो अमेरिकी समाज में भारतीय समुदाय की एकता और



प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। भागवत का संदेश अमेरिका में भारतीय मूल की नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है। पहली पीढ़ी के प्रवासी प्रायः भारत से भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं, जबकि दूसरी और तीसरी पीढ़ी अमेरिकी सामाजिक परिवेश में पली-बढ़ी है। उनके सामने प्रश्न रहता है कि वे अपनी भारतीय सांस्कृतिक पहचान को अमेरिकी नागरिकता के साथ किस प्रकार संतुलित करें। भागवत का दृष्टिकोण इस प्रश्न का सकारात्मक उत्तर देता है, अमेरिका के प्रति पूर्ण निष्ठा और भारत की सभ्यतागत विरासत के प्रति सम्मान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। 'अपनी कर्मभूमि के प्रति निष्ठावान रहो' विदेशी भूमि पर जाकर अपनों से यह कहने का सामर्थ्य, साहस और सहजता एक स्वयंसेवक या 'संघ विचार' के पास ही हो सकती है। यह विचार भारतीय-अमेरिकी समुदाय को हैफेंटेड एडिन्टिटी की समस्या से मुक्ति देकर एक आत्मविश्वासी नागरिक की पहचान देता है। मोहन भागवत जी के कहे पर चलें तो अमेरिकी भारतीय युवा श्रेष्ठ अमेरिकी होते हुए भी अपनी भारतीय जड़ों पर गर्व कर सकते हैं। भागवतजी ने भारतीयता को केवल धार्मिक आग्रह के रूप में नहीं बल्कि साझा

भागवत का दृष्टिकोण इस प्रश्न का सकारात्मक उत्तर देता है, अमेरिका के प्रति पूर्ण निष्ठा और भारत की सभ्यतागत विरासत के प्रति सम्मान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। ‘अपनी कर्मभूमि के प्रति निष्ठावान रहो’ विदेशी भूमि पर जाकर अपनों से यह कहने का सामर्थ्य, साहस और सहजता एक स्वयंसेवक या ‘संघ विचार’ के पास ही हो सकती है।

समुदाय को स्वीकारता हूँ और उनका सम्मान करता हूँ। जोहरान ममदानी ने अमेरिका के नागरिक और न्यूयार्क के मेयर की गरिमा के विरुद्ध जाकर यह व्यक्त किया कि यदि उनके पास अधिकार होते तो वे संघ प्रमुख को न्यूयार्क में भाषण ही नहीं देने देते। इससे अधिक शर्मनाक और वैचारिक निधनता भला और क्या हो सकती है। सरसंघचालक जी के भाषण के पूर्व ही ममदानी इस भाषण के बाद अब वैचारिक रूप से कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रह गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर से नहीं किंतु ममदानी के घर जाकर आज उनसे प्रश्न किया जाना चाहिए कि वे अमेरिकी लोकतांत्रिक विचारों से इतने भिन्न क्यों हैं? और यदि वे न्यूयार्क नगर की सभ्यता, संस्कृति और सहजता को आत्मसात नहीं कर पा रहे हैं तो वे मेयर पद पर टिके ही क्यों हैं? जोहरान ममदानी ने तो न्यूयार्क में फ्री स्पीच के अधिकार पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। भागवत जी के न्यूयॉर्क भाषण ने हिंदुत्व, हिंदू संस्कृति, भारतीय सभ्यता, भारतीय सर्वसमावेशिकता, सर्व स्पर्शिता को बड़ी सहजता से स्थापित किया है। यद्यपि यह पहले ही स्थापित ही थी किंतु अब इसे एक नया आयाम मिल गया है। भारत के संदर्भ में अमेरिका में एक नए विमर्श का आरम्भ है, भागवत जी का यह वैचारिक प्रबोधन। एक सद्भिद्वा बहुधा वर्दन्ति , वसुधैव कुटुम्बकम और विविधता में एकता की परंपरा को मैडिसन स्कैयर से पुनर्परिभाषित करने हेतु मोहन राव जी का अभिनंदन कर रहा है ‘अमेरिकी भारतीय’ समुदाय। अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करने का अर्थ दूसरे की पहचान से घृणा करना नहीं है, यह सिद्ध करने हेतु भी वे अभिनन्दनीय हैं।

अमेरिका कहावत E ई प्लूरिबस यूनम , अर्थात् ‘अनेक से एक’, को स्थापित करता और भारतीयता के मूल से जोड़ता यह संघ संवाद एक अद्भुत सार्थकता, स्वीकार्यता, सहजता व सामुदायिकता के भाव को जन्म देता है। कहना ही होगा कि यदि शिकागो से अमेरिका और समूचे विश्व को स्वामी विवेकानंद जी ने एक वैचारिक माला दी थी तो मोहन राव जी भागवत ने इस ‘विवेकानंद माला’ का पुनर्जाप ही किया है।

कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के हों प्रयास

हरीश पराशर
ताजा आंकड़ों के मुताबिक 30 अगस्त तक देश में 597.6 मिलिमीटर बारिश हुई है जबकि यह 693.9 मिमी होनी चाहिए थी। हालांकि कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक बरसात भी देखी गई है। मोटे अनुमान के अनुसार कुछ राज्यों में अतिवृष्टि को छोड़ दें तो सितंबर में भी सामान्य से कम बरसात होने का ही अनुमान लगाया जा रहा है। बरसात को लेकर यह अनुमान चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि मानसून आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ग्रामीण आय, उपभोग, रोजगार और खाद्य सुरक्षा का बड़ा आधार कृषि ही है। इस बार भी कहीं कम वर्षा से खरीफ की बुवाई प्रभावित हुई है तो कहीं अत्यधिक वर्षा से आपदा का रूप लिया है। बुवाई घटने का सीधा असर पैदावार पर पड़ने वाला है और जाहिर है इस वजह से महंगाई की मार और पड़ेगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून के अंतिम दौर में देश के 14 राज्यों में सामान्य से कम बरसात से कृषि उत्पादन का संतुलन बिगड़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। जाहिर है इसका असर खाद्य आपूर्ति और मूल्य स्थिरता दोनों पर पड़ने के आसार बन गए हैं। मौसम विभाग ने पहले ही देश के अधिकांश हिस्सों में मौसत से कम बरसात का अनुमान लगाया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 30 अगस्त तक देश में 597.6 मिलिमीटर बारिश हुई है जबकि यह 693.9 मिमी होनी चाहिए थी। हालांकि कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक बरसात भी देखी गई है। मोटे अनुमान के अनुसार कुछ राज्यों में अतिवृष्टि को छोड़ दें तो सितंबर में भी सामान्य से कम बरसात होने का ही अनुमान लगाया जा रहा है। बरसात को लेकर यह अनुमान चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि मानसून आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ग्रामीण आय, उपभोग, रोजगार और खाद्य सुरक्षा का बड़ा आधार कृषि ही है। इस बार भी कहीं कम वर्षा से खरीफ की बुवाई प्रभावित हुई है तो कहीं अत्यधिक वर्षा ने आपदा का रूप लिया है। बुवाई घटने का सीधा असर पैदावार पर पड़ने वाला है और जाहिर है इस वजह से महंगाई की मार और पड़ेगी। खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवारों के बजट पर पड़ता है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि जिस अवधि में मानसून को सबसे ज्यादा सक्रिय होना चाहिए था, उस अवधि में वह कमजोर रहा है। अहम बात यह है कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान में सितंबर तक मानसून में किसी बड़े सुधार के संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में बारिश की कमी की भरपाई हो पाएगी, इसकी उम्मीद कम ही है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान यही कहता है कि मानसून सीजन के बाकी हिस्से में बारिश का प्रदर्शन क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग रह सकता है। कुछ इलाकों में अच्छी बारिश भी हो सकती है। बरसात के पैटर्न में आए इस बदलाव की वजह अल नीनो को माना जा रहा है। इतना ही नहीं, इसके अस्पर से तापमान भी बढ़ता है। फसलों पर दोहरा असर इन्हीं कारणों से पड़ता है। पैदावार में कमी का असर किसानों की आमदनी पर पड़ता है। ऐसे में कर्ज के बोझ में दबना उनकी मजबूरी हो जाती है। जलवायु परिवर्तन के खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। मौसम तंत्र में आ रहे बदलाव की बड़ी वजह भी इनसे जुड़ी है। ऐसे में जरूरत वर्षा पर निर्भरता घटाने की तो है ही, किसानों को प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने वाली नीतियां भी बनानी होंगी। मानसून की अस्थिरता से बार-बार झटके खाती जा रही भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की भी जरूरत है। सिंचाई की वैकल्पिक व्यवस्था, भंडारण के पुख्ता इंजाम और कृषि में तकनीकी नवाचार नहीं किए गए तो हर वर्ष महंगाई का दबाव तो बढ़ेगा ही, किसानों की आय में भी अस्थिरता का दौर बना रहेगा।

साह-समाचार

पंचायत मंत्री पवार ने जताया

मुख्यमंत्री का आभार

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज किसी एक जाति, वर्ग या समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पूरी मानवता के महान संत और प्रेरणास्रोत हैं। उनकी शिक्षाएं सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानव सेवा का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा संत गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व को भव्य रूप से मनाने का प्रस्ताव सदन में रखा गया है। जिसके लिए वे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा प्रस्ताव का समर्थन करने वाले सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। विकास एवं पंचायत मंत्री आज हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान संत गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा सदन में लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज, महर्षि वाल्मीकि जी, संत कबीर दास जी सहित महान संतों की वाणी श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज है। उन्होंने कहा कि जब समाज में छुआछूत और भेदभाव चरम पर था, तब संत गुरु रविदास जी महाराज ने लोगों को समानता और भाईचारे का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि संतों और गुरुओं ने सदैव समाज को अधिकार से प्रकाश की ओर ले जाने का कार्य किया है। संत गुरु रविदास जी, संत कबीर दास जी और अन्य महान संतों की वाणी आज भी समाज को एकजुट रहने और मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद से ही विभिन्न संतों और महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाये की मांग समय-समय पर उठती रही, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित निर्णय नहीं लिया गया। वर्ष 20 14 में जब श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री बने, उस समय फरीदाबाद में हुई बैठक में अनुसूचित समाज के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे संत गुरु रविदास जी, गुरु वाल्मीकि जी, संत कबीर दास जी और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस मांग को स्वीकार करते हुए सभी संतों और महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने की प्रक्रिया शुरू की। कलश यात्रा पर विधायक गीता भुक्कल के सर्वांग का जवाब देते हुए श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि संत गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 30 जून को वाराणसी से कलश यात्रा शुरू हुई थी, जिसमें 27 राज्यों के जनप्रतिनिधियों के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए थे। यह यात्रा देश के 27 राज्यों से होकर गुजरेगी और हरियाणा भी इसका महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पहुंचने पर गुरुग्राम में इस कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। गुरुग्राम शहर में विभिन्न समाजों और संस्थाओं ने अलग-अलग स्थानों पर स्वागत बाढ़ बनाकर यात्रा का अभिनंदन किया।

प्रदेश के 118 राजकीय स्कूलों के बनाए जाएंगे बेहतरीन भवन : शिक्षा मंत्री ढांडा

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार राजकीय सरकारी स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में सरकार प्रदेश में 118 राजकीय प्राइमरी मिडिल और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के शानदार भवन बनाए जाएंगे। इसके लिए 200 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। सरकार ने सर्वे करवाया था, जिसमें 118 स्कूलों के भवन नहीं थे। उन्हें स्कूलों में आधुनिक भवन बनवाए जाएंगे। ताकि विद्यार्थी और बेहतर ढंग से शिक्षा ग्रहण कर सकें। मंत्री हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा राजकीय विद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ करने तथा यह सुनिश्चित करने बारे लगातार प्रयास करते हैं कि सभी राजकीय विद्यालयों में छात्र-संख्या अनुसार सुरक्षित एवं पर्याप्त भवन, पेयजल, शौचालय तथा बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर एवं अन्य डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी अन्य आवश्यक सुविधाएं विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समरसता तरीके से राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने एवं बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों में मरम्मत एवं मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में देरी न हो इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 17 जुलाई 2026 को संबंधित अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में विद्यालयों के कक्षाों की मरम्मत तथा कंडम सामग्री की नीलामी के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इसके अलावा 1,00,000 रुपये तक के बुनियादी ढांचे के माइनर सिविल वर्क के लिए संबंधित अतिरिक्त उपायुक्त को प्रशासनिक शक्तियां प्रदान की गई हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को अब आयुष्मान भारत योजना का भी लाभ मिलेगा। इससे पहले उन्हें सरकार की आठ सेवाओं का लाभ मिल रहा है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर सभी शहरी स्थानीय निकायों में लोक कल्याण मेला एक सितंबर से शुरू हो गया है और 30 सितंबर तक चलेगा। मंगलवार को लोक कल्याण मेले का आयोजन निगम के पुराने कार्यालय और एसबीआई महरीली रोड पर हुआ। मेले में लंबित ऋण आवेदनों के निस्तारण, स्वीकृत लेकिन वितरित नहीं हुए ऋण के वितरण और नए ऋण आवेदनों की प्रक्रिया में तेजी लाने पर कार्य किया गया। डिजिटल रूप से सक्रिय नहीं हुए लाभार्थियों को यूपीआई और वयुआर कोड से जोड़ा जा रहा है। सिटी प्रोजेक्ट अधिकारी द्वारा प्रसाद ने बताया कि विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि मोबाइल एप की जानकारी और डिजिटल भुगतान का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसके अलावा दूसरे ऋण की अदायगी कर चुके पात्र रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। सिटी प्रोजेक्ट अधिकारी ने बताया कि बैंकों की ओर से शिविरों में मौजूद रहकर विक्रेताओं की समस्याओं का समाधान, लंबित ऋण का वितरण और नए आवेदनों को स्वीकृति देने में सहयोग किया जा रहा है। डिजिटल पेमेंट एप्लीकटर यूपीआई/पंजीकरण, वयुआर कोड सक्रिय करने और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में जागरूकता लाई जा रही है। जिले में करीब 55 हजार रेहड़ी-पटरी वाले पंजीकृत हैं।

संत –महापुरुषों की शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत

गुरु रविदास जी समरसता संकल्प अभियान से संबंधित गठित कमेटी में विपक्ष के सदस्यों को भी किया जाएगा शामिल: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत सभ के हैं और हम सभी संतों के हैं। संत-महापुरुषों की शिक्षाएं किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण समाज और मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इसी भावना के अनुरूप ‘गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान’ के लिए गठित कमेटी में विपक्ष के सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री विधानसभा में ‘संत शिरोमणि गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान’ पर पेश किए गए सरकारी संकल्प पर चर्चा के दौरान विधायक श्री बी.बी. बत्रा द्वारा गठित कमेटी में विपक्ष को प्रतिनिधित्व दिए जाने का विषय उठाए जाने पर सदन में जवाब दे रहे थे। इस दौरान श्री नायब सिंह सैनी ने गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस से जुड़े कार्यक्रमों का उल्लेख

करते हुए कहा कि इस महान सदन में गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर प्रस्ताव लाया गया था और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कमेटियां भी गठित की गई थीं। इन कमेटियों में विपक्ष के सदस्यों को भी शामिल किया गया था। संबंधित उपायुक्तों द्वारा प्रत्येक स्थान पर विपक्ष के विधायकों को कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया था, लेकिन विपक्ष का एक भी साथी इन कार्यक्रमों में शामिल होता दिखाई नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने इस पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वे बड़े भारी मन से सदन में यह बात रख रहे हैं कि गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर से जुड़े कार्यक्रमों के लिए कमेटियां गठित किए जाने और सभी को आमंत्रित किए जाने के बावजूद विपक्ष की भागीदारी देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री अटल बिहारी



वाजपेयी जी ने कहा था कि सरकारें आएंगी—

सरकारें जाएंगी, लेकिन यह देश रहना चाहिए। यही संदेश हमारे गुरुओं ने भी दिया है। इस संदेश को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। भावी पीढ़ी को यह पता होना चाहिए कि हमारे संतों और गुरुओं ने समाज एवं मानवता के लिए किस प्रकार के कष्ट सहें और अपना जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस पवित्र भूमि पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज का प्रकाश हुआ है, वहां की मिट्टी घर-घर तक पहुंचनी चाहिए। इसलिए ‘संत शिरोमणि गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान’ को राजनीति से ऊपर उठकर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब ऐसे महान संतों और महापुरुषों के प्रकाश पर्व अथवा स्मृति दिवस आते हैं, तो हम सभी को मिलकर आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सदन

में लाया गया सरकारी संकल्प परम श्रद्धेय संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व से संबंधित है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का ध्येय संत-महापुरुषों का मान-सम्मान करना तथा उनकी शिक्षाओं और संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं की वाणी हमें यह संदेश देती है कि कोई भी व्यक्ति अपने जन्म के कारण छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि अपने कर्मों के कारण छोटा या बड़ा होता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अन्य सभी बातों को पीछे छोड़कर मिलकर इस संकल्प को आगे बढ़ाएं और संत-महापुरुषों की शिक्षाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करें। मुख्यमंत्री ने ‘श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान’ के तहत आयोजित किए जा रहे।

विश्वविद्यालयों के गेस्ट फैकल्टी को मिलेगी सेवा सुरक्षा : ढांडा

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान आज सदन में ध्यानकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने विश्वविद्यालयों के अतिथि प्राध्यापकों (गेस्ट फैकल्टी) के हित में एक महत्वपूर्ण घोषणा की। शिक्षा मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि सरकार अब कॉलेजों की तर्ज पर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों को भी सेवा सुरक्षा प्रदान करने के लिए नया सेवा सुरक्षा अधिनियम 2026 लाने जा रही है। हरियाणा यूनिवर्सिटी कॉन्ट्रैक्टुअल टीचर एसोसिएशन और हरियाणा यूनिवर्सिटी पार્ટ टाइम टीचर एसोसिएशन द्वारा उठाए गए मुद्दों पर राज्य सरकार के अनुमोदन से एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया था। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति की अध्यक्षता में बनी इस समिति ने गहन विचार-विमर्श के बाद अतिथि प्राध्यापकों को सेवा सुरक्षा देने की सिफारिश की है। शिक्षा मंत्री ने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के कॉलेजों में सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 को पहले ही सफलतापूर्वक लागू से किया जा चुका है, जिसके तहत 2,095 कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा का लाभ



मिल चुका है। अब इसी तर्ज पर विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए 2026 का नया अधिनियम लाया जा रहा है। एमडीयू के कुलपति की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेवा सुरक्षा प्रदान करने के लिए निम्नलिखित 6 प्रमुख मापदंड तय किए हैं। शिक्षक ने 30 जून 2023 तक सहायक प्रोफेसर पद के लिए निर्धारित सभी आवश्यक पात्रता शर्तें पूरी कर ली हों। शिक्षा मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शिक्षकों के हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस नए अधिनियम से विश्वविद्यालयों में वर्षों से सेवाएं दे रहे योग्य अतिथि प्राध्यापकों का भविष्य सुनिश्चित और स्थायित्व बनाएगा।

हरियाणा विधानसभा मानसून सत्र के अंतिम दिन 11 विधेयक चर्चा उपरांत किए गए पारित

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन 11 विधेयक चर्चा उपरांत पारित किये गये। पारित किए गए विधेयकों में हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026, हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026, हरियाणा ग्राम शमलात भूमि (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, हरियाणा स्थानीय लेखा परीक्षा विधेयक, 2026, हरियाणा निजी वि श्व वि द्यालय (सं शो ध न) विधेयक, 2026, हरियाणा राज्य महिला आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा राज्य भौतिक चिकित्सा परिषद्

(निरसन) विधेयक, 2026, हरियाणा विधि अधिकारी (विनियोजन) संशोधन विधेयक, 2026 तथा हरियाणा कारबार का अधिकार अधिनियम,2026 शामिल हैं। मार्च, 2027 के इकतीसवें दिन को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान सेवाओं के लिए हरियाणा राज्य की संचित निधि में से कुल 7136,63,25,000 रुपये (केवल सात हजार एक सौ छत्तीस करोड़, तिरसठ लाख, पच्चीस हजार रुपये) के भुगतान और विनियोग का प्राधिकार देने के लिए हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026 पारित किया गया है। हरियाणा राज्य में अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण तथा रक्षणियों, धार्मिक तथा भाषाई अल्पसंख्यकों की अतिरिक्त समाजिक, आर्थिक,

शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक अपेक्षाओं के बारे में अनुसंधान करने, धर्म-निरपेक्ष परम्पराओं का परिरक्षण करने और राष्ट्रीय एकीकरण को बंेवा देने के उद्देश्य से तथा उससे सम्बन्धित या उससे आनुषंगिक मामलों के लिए अल्पसंख्यक आयोग का गठन करने हेतु हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026 पारित किया गया। हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना राज्य स्तर पर एक संस्थागत व्यवस्था प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तावित है, ताकि अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए संविधान तथा विधियों में प्रदत्त सुरक्षा उपायों का मूल्योंकन किया जा सके और हरियाणा राज्य में ऐसे सुरक्षा उपायों तथा विधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सिफारिशें की जा सकें।

दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में जमकर हुई बारिश

दिल्ली, समय जगत। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को मौसम ने एक बार फिर कवट बदली। फरीदाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश देखने को मिली, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिल्ली के वसंत कुज समेत कई इलाकों में भी बारिश से मौसम सुहावना हो गया। हालांकि, बारिश के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और कई जगहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। दिल्ली में मानसून का पैटर्न पिछले तीन साल में तेजी से बदल है। अब जून में ग्री-मानसून बारिश कमजोर रह रही है, जबकि जुलाई और अगस्त में कम अवधि के दौरान तेज बारिश के स्पेल बढ़ रहे हैं। वर्ष 2023 में जुलाई में रिकॉर्ड बारिश के बाद अगस्त सूखा



रहा था, लेकिन 2024 से जुलाई-अगस्त दोनों महीनों में लगातार सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हो रही है। इस साल 26 अगस्त तक इन दोनों महीनों में करीब 612 मिमी बारिश हो चुकी है। दिल्ली में मानसून के आगमन की सामान्य तारीख 29 जून है। इस

बार मानसून दो जुलाई को पहुंचा, लेकिन इसके बाद बारिश की रफ्तार तेज रही। जुलाई में 258 मिमी और 26 अगस्त तक अगस्त में 354.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मानसून अवधि में अब तक बारिश 653.9 मिमी तक पहुंच चुकी है। 2023 में

जुलाई में 507.1 मिमी बारिश हुई थी, जो सामान्य से 141 प्रतिशत अधिक थी और 2003 के बाद जुलाई की सबसे ज्यादा बारिश थी। इसके विपरीत अगस्त में महज 91.8 मिमी बारिश हुई। इसके बाद 2024 से बारिश का वितरण बदला। जुलाई लगभग सामान्य रहा, लेकिन अगस्त में 390.3 मिमी बारिश हुई। 2025 में जुलाई और अगस्त दोनों में अधिक बारिश हुई और अगस्त में 400.1 मिमी पानी बरसा, जो 15 साल में इस महीने का सर्वाधिक आंकड़ा था। 2026 में भी यही प्रवृत्ति जारी है। चार से आठ अगस्त के बीच पांच दिन में 224.7 मिमी बारिश हुई, जबकि 25 अगस्त को 24 घंटे में 99.1 मिमी बारिश दर्ज की गई।

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन अधिकारों के साथ मर्यादा और जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। विरोध के नाम पर नियम तोड़ना अथवा सुरक्षा कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। किसी कर्मचारी पर अपना राजनीतिक गुस्सा निकालना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के समापन अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि तीन दिन चले इस सत्र में तीन बैठकें हुईं और लगभग 16 घंटे सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सत्र को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी विधायकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त



किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा की अपनी गरिमा, परंपराएं और सुरक्षा संबंधी समस्या हैं। यदि किसी व्यवस्था के तहत नारे लिखी तख्तियां लेकर विधानसभा भवन में प्रवेश की अनुमति नहीं है, तो प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि वह उस व्यवस्था का पालन करे। केवल विधायक होने का अर्थ यह नहीं है कि कोई व्यक्ति नियम का कातून

से ऊपर हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकारी भी हैरानी हुई कि कुछ कांग्रेस विधायक विरोध प्रदर्शन को विधानसभा के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की तक ले गए और इस घटनाक्रम में नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि श्री हुड्डा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, तब्वे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं और आज नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे वरिष्ठ नेता से संयम और मर्यादा की अपेक्षा स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के पास मुद्दों का घोर अभाव है और मुद्दे विधानसभा के समक्ष प्रमुखता से खड़े हैं। प्रवेश की अनुमति नहीं है, तो प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि वह उस व्यवस्था का पालन करे। केवल विधायक होने का अर्थ यह नहीं है कि कोई व्यक्ति नियम का कातून

‘गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान’ का मुख्यमंत्री ने पेश किया सरकारी प्रस्ताव

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित देशव्यापी ‘गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान’ के संबंध में सरकारी प्रस्ताव पेश किया और सदन में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि गत 29 जुलाई, 2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शुरू हुआ यह अभियान 20 फरवरी, 2027 तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के समता, ममता, करुणा, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाना तथा विभिन्न वर्गों में सामाजिक एकता को और मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का शुभारंभ संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से हुआ। इस

अवसर पर वहां की पवित्र मिट्टी से भरे कलश का पूजन कर उन्हें देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। हरियाणा में श्री गुरु रविदास जी की जन्मस्थली की पावन मिट्टी की कलश यात्रा 4 अगस्त, 2026 को पहुंची तथा इसके स्वागत में 5 अगस्त, 2026 को गुरुग्राम स्थित माता शीतला मंदिर परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इसमें लाए गए कलशों को जिला एवं ग्राम स्तर तक पहुंचाया जा रहा है, जहां श्रद्धालु पावन मिट्टी को स्थानीय मंदिरों की मिट्टी में मिलाकर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के सामाजिक समरसता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समरसता यात्रा आगामी 5 अक्टूबर को हरियाणा में पहुंचेगी और 5 नवंबर, 2026 तक चलेगी। यात्रा के स्वागत के लिए इसके मार्ग में पूरे प्रदेश में प्रवेश द्वार और स्वागत स्थल तैयार किए जाएंगे तथा जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

स्वदेशी के संकल्प के साथ लखनऊ रवाना होंगे महोबा के व्यापारी, महाकुंभ में दिखेगी एकजुटता

राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में संपन्न हुई महत्वपूर्ण बैठक

महोबा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में लखनऊ में आयोजित होने वाले स्वदेशी व्यापारी महाकुंभ को लेकर महोबा में बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष स्वप्निल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में महाकुंभ में महोबा जनपद की प्रभावी एवं गरिमामयी सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि महोबा जनपद से लगभग एक सैकड़ व्यापारी लखनऊ पहुंचकर स्वदेशी व्यापारी महाकुंभ में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम को लेकर व्यापारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बैठक में अधिक से अधिक व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा लखनऊ पहुंचने की तैयारियों को लेकर रणनीति बनाई गई। इस दौरान व्यापारियों ने 'विदेशी भगाओ, स्वदेशी अपनाओ' के संदेश को जन-जन तक



पहुंचाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना केवल व्यापार का विषय नहीं, बल्कि देश के कारीगरों, लघु उद्यमियों, स्थानीय व्यापारियों और बाजारों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिलाध्यक्ष स्वप्निल गुप्ता ने कहा कि महोबा के व्यापारी एकजुट होकर लखनऊ पहुंचेंगे और स्वदेशी अभियान को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है। बैठक में संगठन के

पदाधिकारियों एवं व्यापारी साथियों ने महाकुंभ को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। व्यापारियों ने कहा कि महोबा की धरती से लखनऊ पहुंचने वाला व्यापारी वर्ग स्वदेशी, स्थानीय व्यापार और आत्मनिर्भर भारत का मजबूत संदेश देगा।

महोबा पुलिस बनी प्रदेश में नंबर 1, आईजी आरएस में मिले 100 प्रतिशत अंक

अगस्त की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जनपद महोबा ने त्वरित निराकरण और तकनीकी दक्षता का नया मानक किया स्थापित

महोबा। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा माह अगस्त 2026 के आंकड़ों के आधार पर जारी प्रदेश स्तरीय (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) रैंकिंग में जनपद महोबा पुलिस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महोबा पुलिस को पूरे प्रदेश में 100 प्रतिशत अंक मिले हैं। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि जनपद के प्रत्येक थाने ने भी 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। यह उपलब्धि पूरे जनपद की एकजुट टीम वर्क और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

यह सफलता पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह, के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह के निकट तकनीकी प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग इस रैंकिंग का आधार बना। जनपद पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में हो।



शिकायतों का शीघ्र निपटारा, ऑनलाइन निगरानी, समयबद्ध अनुपालन और तकनीकी प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग इस रैंकिंग का आधार बना। जनपद पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में हो।

पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि महोबा पुलिस की पूरी टीम की लगन, अनुशासन और आम नागरिकों के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों, कर्मियों और पर्यवेक्षण अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि लक्ष्य केवल रैंकिंग में शीर्ष पर रहना नहीं, बल्कि नागरिकों को शीघ्र और संतोषजनक न्याय उपलब्ध कराना है। आईजीआरएस को और अधिक प्रभावी बनाने तथा शून्य लंबित शिकायतों की स्थिति बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक महोबा के कुशल नेतृत्व में थानावार समीक्षा, नियमित अनुश्रवण और फील्ड स्तर पर मार्गदर्शन से यह परिणाम संभव हो सका। जनपद पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी शिकायत के लिए आईजीआरएस पोर्टल तथा निर्धारित पुलिस हेल्पलाइन का उपयोग करें। जन सहयोग से ही इस व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकेगा।

UPCOS के शुभारंभ पर कीर्त सागर में आयोजित हुआ सम्मान समारोह उत्कृष्ट आउटसोर्स कर्मियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए



महोबा । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं डिजिटल एकीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारंभ के अवसर पर आज कीर्त सागर, नट पर स्थित संस्कृतिक मंच में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एवं सम्मान समारोह

आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी महोबा श्रीमती गजल भारद्वाज, नगरपालिका चेयरमैन डॉ संतोष चौरसिया सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उद्बोधन का सजीव

प्रसारण किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा, पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध मानदेय भुगतान तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। PCOS के माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों के मानव संसाधन प्रबंधन को डिजिटल एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाएगा तथा अनावश्यक बिचौलियापन एवं शोषण की संभावनाओं को समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मि प्रदेश के विकास एवं जनसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक कार्मिक को उसके अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों का हुआ सम्मान: समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने

वाले आउटसोर्स कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि UPCOS का गठन आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से आउटसोर्स कर्मियों को उनके अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। सफाई कर्मी एवं अन्य जमीनी स्तर के कर्मचारी प्रतिदिन महत्वपूर्ण जनसेवा का कार्य करते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है।

पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध : जिलाधिकारी-समारोह के समापन पर जिलाधिकारी श्रीमती गजल भारद्वाज ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों,

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी एवं व्यवस्थित मानव संसाधन प्रबंधन व्यवस्था लागू करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने सभी आउटसोर्स कर्मचारियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए शुभकामनाएं देते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करने पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायती राज अधिकारी सी. के. चर्मा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अवधेश कुमार, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांक्षिप्त समाचार

ग्राम शिवनी में बाढ़ पीड़ित परिवारों को वितरित की गई राहत सामग्री



समय जगत मौदहा/ हमीरपुर। बाढ़ प्रभावित ग्राम शिवनी में सोमवार को बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री एवं आवश्यक किट का वितरण किया गया। राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम ग्राम प्रधान प्रतिनिधि देवचन यादव की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी हमीरपुर, उपजिलाधिकारी मौदहा, लेखपाल तथा थाना प्रभारी मुस्करा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री की किट प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधान प्रतिनिधि देवचन यादव ने उपस्थित उच्च अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान बाढ़ पीड़ितों की सहायता एवं राहत कार्यों में सहयोग के लिए अधिकारियों और ग्राम प्रतिनिधि के प्रयासों की सराहना की गई। ग्रामीणों ने राहत एवं सहयोग कार्य के लिए प्रशासन और ग्राम प्रतिनिधि के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसेवा ही सच्ची सेवा है।

कांग्रेस की पुरानी यादें हुई ताज़ा, वरिष्ठ कांग्रेसी से आत्मीय मुलाकात
बांदा आज का दिन कांग्रेस परिवार के लिए बहुत ही भावनात्मक और यादगार रहा। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष आदरणीय राजेश दीक्षित जी एवं महिला जिला अध्यक्ष आदरणीय सीमा खान जी ने वरिष्ठ एवं पुरानी कांग्रेसी, डॉ. विक्रम सिंह जी की माताजी आदरणीय श्रीमती राजरानी जी के निवास पर पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पुराने दिनों, संघर्षों, आंदोलनों और संगठन की गौरवशाली परंपराओं को याद करते हुए पुरानी यादें ताज़ा की गईं। वरिष्ठ कांग्रेसियों के अनुभवों और उनके द्वारा पार्टी के लिए किए गए संघर्षों को याद कर कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास की अनेक यादें फिर से जीवंत हो उठीं। डॉ. विक्रम सिंह जी की माताजी आदरणीय राजरानी जी ने अपने समय की कांग्रेस और पार्टी से जुड़ी अनेक पुरानी एवं यादगार बातें साझा कीं। उनकी बातों और अनुभवों ने सभी को कांग्रेस के गौरवशाली अतीत की याद दिला दी। वरिष्ठ साथियों का अनुभव, उनका संघर्ष और पार्टी के प्रति उनका समर्पण हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए एक अमूल्य धरोहर है। कांग्रेस पार्टी की मजबूत नींव ऐसे ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और समर्पण से बनी है। यह मुलाकात केवल एक सामान्य भेंट नहीं थी, बल्कि कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास, पुरानी परंपराओं और अपने वरिष्ठ साथियों के सम्मान को समर्पित एक भावनात्मक अवसर था।

मध्यस्थता अभियान-3.0 को मिल रहा सकारात्मक

प्रतिसाद, पक्षकार बढ़-चढ़कर उठा रहे लाभ

समय जगत हमीरपुर। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर श्री मनोज कुमार राय के मार्गदर्शन तथा सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती वंदना अग्रवाल के निर्देशन में मध्यस्थता अभियान-3.0 के अंतर्गत उपयुक्त वादों का मध्यस्थता के माध्यम से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 02 सितम्बर 2026 को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) न्यायालय में लंबित एक दीवानी वाद, जिसमें नगर पालिका राठ एक पक्षकार थी, को एडीआर सेंटर में मध्यस्थता हेतु संदर्भित किया गया। मध्यस्थता की प्रक्रिया के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सुलह-समझौता कराया गया। इसी प्रकार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में लंबित परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित एक वाद का भी मध्यस्थता के माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया। इसके अतिरिक्त धारा 323 एवं 504 भारतीय दंड संहिता से संबंधित एक आपराधिक मामले तथा पति-पत्नी के मध्य लंबित एक वैवाहिक मामले का भी आपसी सुलह-समझौते के आधार पर सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया।

इन मामलों का सफल निस्तारण इस बात को दर्शाता है कि संवाद, सहमति एवं सहयोग के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विवादों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। मध्यस्थता पक्षकारों को न्यायालयीन प्रक्रिया के दौरान अपने विवाद का समाधान आपसी सहमति से प्राप्त करने का प्रभावी अवसर प्रदान करती है।

इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती वंदना अग्रवाल ने सफलतापूर्वक समझौता करने वाले दोनों पक्षकारों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों से अपील की कि अधिकाधिक उपयुक्त मामलों को मध्यस्थता हेतु संदर्भित कराएं तथा मध्यस्थता की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, जिससे मध्यस्थता अभियान-3.0 को सफल एवं प्रभावी बनाया जा सके।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता हेतु चयन ट्रायल्स 8 सितम्बर को

समय जगत हमीरपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जनपद के खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं मंडल स्तरीय चयन ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में उप क्रीडाधिकारी, हमीरपुर श्री शमीम अहमद द्वारा जानकारी दी गई कि सीनियर महिला कबड्डी खिलाड़ियों के जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स 08 सितम्बर 2026 को प्रातः 11:00 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, चित्रकूट में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल्स में चयनित महिला खिलाड़ी ही 09 सितम्बर 2026 को प्रातः 11:00 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, चित्रकूट में आयोजित होने वाले मंडल स्तरीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग करने के लिए पात्र होंगी। मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को 15 से 17 सितम्बर 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। उप क्रीडाधिकारी ने जनपद की इच्छुक सीनियर महिला कबड्डी खिलाड़ियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, हमीरपुर में उपस्थित होकर जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग करें। उन्होंने खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर आवश्यक खेल सामग्री एवं अन्य अपेक्षित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का अनुरोध किया है। उप क्रीडाधिकारी द्वारा जनपद की महिला खिलाड़ियों से अधिकाधिक संख्या में चयन ट्रायल्स के में प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने की अपील की गई है।

यूपीसीओएस के शुभारंभ पर कलेक्टर सभागार में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

समय जगत हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं डिजिटल एकीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारंभ के अवसर पर आज कलेक्ट्रेट सभागार, हमीरपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माननीय विधायक सदर डॉ. मनोज कुमार प्रजापति, जिलाधिकारी हमीरपुर श्री अभिषेक गोयल, भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष श्रीमती शकुन्तला निषाद तथा नगरपालिका चेयरमैन श्री कुलदीप निषाद सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा, पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध मानदेय भुगतान तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित



करने के लिए प्रतिबद्ध है। UPCOS के माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों के मानव संसाधन प्रबंधन को डिजिटल एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जाएगा तथा अनावश्यक बिचौलियापन एवं शोषण की संभावनाओं को समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मि प्रदेश के विकास एवं जनसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक कार्मिक को उसके अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आउटसोर्स कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं नगर पालिका के सफाई कर्मियों को

कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेफ्टी जैकेट, सुरक्षा किट एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण वितरित किए गए। इस अवसर पर माननीय विधायक सदर डॉ. मनोज कुमार प्रजापति ने कहा कि UPCOS का गठन आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से आउटसोर्स कर्मियों को उनके अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने का पालन करने पर बल दिया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक रिजना शाहिद, डिप्टी कलेक्टर पैगाम हैदर, सूचना अधिकारी सतीश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

महोबा पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर महोबा रविकांत गोड के निकट पर्यवेक्षण में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं में सलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली नगर महोबा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर महोबा बरिन्द्र प्रताप सिंह द्वारा गठित पुलिस टीम के उप निरीक्षक सत्यम मिश्रा मग हमराह उन निरीक्षक



अंकित सिंह चौहान एवं पंकेश कुमार गौतम द्वारा अभियुक्त गोलू गुप्ता पुत्र स्व० दयाशंकर गुप्ता, उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी भरूआ सुमेरपुर, थाना सुमेरपुर, जनपद हमीरपुर को बोजानगर से शाहपहाड़ी जाने वाले रास्ते पर

पुलिया के पास, बहद ग्राम बोजानगर थाना कोतवाली नगर जनपद महोबा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 अवैध देशी तमंचा 315 बोर एवं 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर महोबा पर धारा 3/25 आर्मस् एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी तथा अभियुक्त को न्यायालय महोबा के समक्ष पेश किया गया।

भागवत कथा के दूसरे दिन शुक्रदेव जन्म और अमर कथा का हुआ वर्णन



पार्वती जी को सुनाई गई अमर कथा और राजा परीक्षित को शुक्रदेव जी द्वारा भागवत कथा सुनाने के प्रसंग का वर्णन किया। आचार्य जी ने बताया कि एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव से अमर होने की कथा सुनाने का आग्रह किया। भगवान शिव ने उन्हें अमर कथा सुनाई, जिसे शुक्र रूप में बैठे शुक्रदेव जी ने भी सुन लिया और वे अमर हो गए। बाद में वही शुक्रदेव जी महर्षि वेदव्यास जी के पुत्र के रूप में अवतरित हुए। उन्होंने कहा कि राजा परीक्षित को श्रीगुरु ऋषि के श्राप के कारण सात दिन में तक्षक नाग द्वारा मृत्यु का श्राप मिला था। मोक्ष की कामना से राजा परीक्षित ने शुक्रदेव जी से श्रीमद् भागवत कथा सुनी और मुक्ति को प्राप्त हुए। भागवत सुनने से ही जीव का कल्याण होता है। श्रीमद् भागवत महापुराण पाठ एवं पूजन अर्पण पंडित दिवाकर शुक्ला एवं परमानंद त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस दौरान सारंग रोहित सिंह एवं तबला वादक कुलदीप त्रिपाठी ने अपने सुमधुर भजनों से पंडाल को भक्तिमय कर दिया। कथा परीक्षित के रूप में श्रीमती लक्ष्मी - शिवम जी ने सपरिवार एवं इष्ट मित्रों के साथ कथा का रसपान किया। कथा के दौरान पूरा पंडाल राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति में झूमते पंजर आए।

बिना नंबर की स्कूल बस पर अब तक कार्रवाई नहीं, परिवहन विभाग की कार्यशैली कटघरे में

समय जगत, खिरकिया। नगर के हरदा रोड पर बिना स्पष्ट नंबर प्लेट के संचालित होती दिखाई दी सूर्योदय ग्लोबल एकेडमी की स्कूल बस को लेकर सामने आई खबर के बाद जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई का भरोसा तो दिया, लेकिन अब तक मौके पर जांच या किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में अब सवाल केवल स्कूल बस की नंबर प्लेट तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। स्कूल बस में रोजाना मासूम विद्यार्थी सफर करते हैं। ऐसे में वाहन की पहचान, पंजीयन,

फिटनेस, परमिट, बीमा और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच बेहद महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके, सड़क पर बिना स्पष्ट नंबर प्लेट दिखाई देने वाली बस का मामला सामने आने के बाद भी यदि कार्रवाई नहीं होती है तो यह अभिभावकों की चिंता बढ़ाने वाला विषय है।

खबर प्रकाशित होने के बाद अधिकारी ने दिया था कार्रवाई का भरोसा: मामला सामने आने के बाद जब जिला परिवहन अधिकारी राकेश अहाके से इस संबंध में जानकारी ली गई थी, तब उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है, जल्द ही कार्रवाई

हरदा रोड पर सूर्योदय ग्लोबल एकेडमी की बस का मामला

की जाएगी। अधिकारी के इस बयान के बाद उम्मीद थी कि परिवहन विभाग की टीम स्कूल बस की जांच करेगी और नियमों के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहा है कि आखिर अधिकारी के संज्ञान में मामला आने के बावजूद जांच कब होगी?

क्या सिर्फ कागजों में हो रही स्कूल बसों की जांच? खिरकिया नगर में कई स्कूलों की बसें और अन्य वाहन



प्रतिदिन बच्चों को लेकर सड़कों पर दौड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या परिवहन विभाग द्वारा इन वाहनों की नियमित जांच वास्तव में की जा रही है या फिर जांच की प्रक्रिया केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है? स्कूल बसों की जांच के दौरान वाहन का पंजीयन नंबर, फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, चालक का लाइसेंस तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच होना जरूरी है। यदि किसी वाहन में

नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी अपेक्षित है।

फोटो सामने आई, अधिकारी के संज्ञान में मामला आया, फिर कार्रवाई क्यों नहीं?: इस पूरे मामले में सबसे गंभीर सवाल यहीं है कि जब बस की तस्वीर सार्वजनिक रूप से सामने आई, मामला जिम्मेदार अधिकारी के संज्ञान में आया और अधिकारी ने स्वयं जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया, तो फिर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

सुलगते सवाल: क्या विभाग ने बस की मौके पर जांच की? क्या बस के पंजीयन और फिटनेस की जांच की गई?

क्या वाहन के दस्तावेज वैध पाए गए? क्या स्कूल प्रबंधन से इस संबंध में जवाब मांगा गया? क्या बस पर नंबर प्लेट नियमानुसार लगाई गई है?

इनका कहना है

हरदा ने पूर्व में कहा था, आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है, जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी के संज्ञान में मामला आने और कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में परिवहन विभाग कब जांच करेगा और कब स्थिति स्पष्ट करेगा, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। राकेश अहाके, जिला परिवहन अधिकारी

सार-समाचार

3000 किलो महुआ लाहज नष्ट, 30 बल्क लीटर हाथ मट्टी महुआ शराब जब्त, 5 प्रकरण दर्ज



समय जगत, पांडुरना। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के

मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने बुधवार को बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। आबकारी वृत्त पांडुरना के अंतर्गत ग्राम पीपलवाणी, कोंदर एवं नीलकंठ में अवैध शराब निर्माण के अड्डों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान नालों एवं जंगल में झाड़ियों के आसपास पत्रियों और इमों में हाथ भट्टी महुआ शराब बनाने के लिए एकत्रित करीब 3000 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। आबकारी विभाग ने महुआ लाहन का नियमानुसार सैपल लेने के बाद शेष लाहन को निर्मूल्य होने के कारण मौके पर ही विधिवत नष्ट कर दिया। वहीं, कार्रवाई के दौरान 30 बल्क लीटर हाथ भट्टी महुआ मदिरा जब्त कर विभाग ने अपने कब्जे में ली। इस कार्रवाई के संबंध में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(घ) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए हैं। संयुक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी भारती गौड़, वासुदेवाचार्य त्रिपाठी एवं राजेश सिधल, आबकारी उपनिरीक्षक नरेन्द्र नागेश, वृत्त प्रभारी अनिकेत पटेल सहित आबकारी विभाग का अमला मौजूद रहा। विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार वाहन को प्रधान जिला न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी 12 सितम्बर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन तथा आमजन को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित एवं आपसी सहमति से निराकरण की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुरैना श्रीमती संगीता मदान ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन के माध्यम से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ सुदूर अंचलों में नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वाहन के माध्यम से आमजन को नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया, लोक अदालत के लाभ तथा आपसी सहमति से विवादों के समाधान के संबंध में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, अधिक से अधिक पात्र पक्षकारों को आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों के निराकरण हेतु सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर मुरैना मुख्यालय के न्यायाधीशगण, अभिभाषक संघ मुरैना के अध्यक्ष हरिसिंह सिकरवार, अधिवक्तागण, न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डायल-112 की तत्परता से सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को समय पर मिला उपचार

मुरैना। जिले में आमजन की सुरक्षा एवं त्वरित सहायता के लिए संचालित डायल-112 सेवा ने एक बार फिर तत्परता का परिचय दिया। माताबसैया थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को घटना की सूचना प्राप्त होते ही माताबसैया थाना क्षेत्र में तैनात एफआरवी वाहन को तत्काल सहायता के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर देखा कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल पड़ा था। डायल-112 के जवानों ने बिना समय गंवाए घायल व्यक्ति को एफआरवी वाहन में बैठाया और तत्काल अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया।

कालाबाजारी के लिए दिल्ली ले जाए जा रहे 90 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार



मुरैना। जिले में राशन सामग्री एवं घरेलू उपार्दों की कालाबाजारी का आवश्यक वस्तुओं की अवैध बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बागचीनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक लोडिंग वाहन से बड़ी मात्रा में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक लोडिंग वाहन में बड़ी संख्या में एलपीजी गैस सिलेंडर भरकर कालाबाजारी के

उद्देश्य से दिल्ली ले जाए जा रहे हैं। सूचना पर बागचीनी पुलिस ने तत्काल चेकिंग लगाकर लोडिंग वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में इंडेन कंपनी के 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 90 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर पाए गए। इन सिलेंडरों के संबंध में वैध लाइसेंस एवं दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने सिलेंडरों सहित लोडिंग वाहन को जब्त कर लिया। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना बागचीनी में अग्रप्राथमिकता 194/2026, धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं धारा 287 एलपीजी के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल डावर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी जौरा नितिन बघेल के निर्देशन में थाना बागचीनी पुलिस द्वारा की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी उमेश सिंह यादव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रभावित लोगों को दिए जा रहे मुआवजे की ली जानकारी

कलेक्टर ने कोयला उत्पादन, उत्खनन एवं परिवहन कार्यों की समीक्षा की

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जिले में एसईसीएल द्वारा किए जा रहे कोयला उत्पादन, उत्खनन एवं परिवहन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कोयला उत्खनन में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, कोयले की गुणवत्ता, खदानों की स्थिति, उत्खनन क्षेत्रों तथा खनन से प्रभावित लोगों को दिए जा रहे मुआवजे सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के दौरान एसईसीएल के जनरल मैनेजर ऑपरेशन मनीष कुमार श्रीवास्तव ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित कोयला खदानों तथा उत्पादन एवं उत्खनन कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में अंडरग्राउंड एवं ओपन कास्ट माईंस सहित कुल 7 कोयला खदानें संचालित हैं। इन खदानों में कोयला उत्पादन को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें सम्मोस माइनिंग, कंटीनियस माइनिंग तथा हाईवॉल माइनिंग तकनीक प्रमुख हैं।

उन्होंने बताया कि जिले में संचालित खदानों में रामपुर बटुरा कोल माईंस सबसे नई



गुणवत्ता एवं उत्पादन की स्थिति के साथ ही कोयला परिवहन व्यवस्था की भी जानकारी ली। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, दो वाहन जब्त

शहडोल। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग के अमले ने बुढ़ार तहसील क्षेत्र में वाहनों की जांच कर अवैध रूप से खनिज परिवहन करते पाए



गए दो वाहनों को जब्त किया। जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने बताया कि विभागीय अमले द्वारा बुढ़ार तहसील क्षेत्र में, औचक निरीक्षण कर खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान एक वाहन में मिट्टी तथा दूसरे वाहन में कोयला खनिज का अवैध परिवहन पाया गया। दोनों वाहनों को तत्काल जब्त कर थाना बुढ़ार की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। मामले में खनिज नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। विभाग द्वारा अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रखने की बात कही गई है। कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी अभिषेक पटेल सहित खनिज विभाग का मैदानी अमला शामिल रहा।

18 वर्षों का लंबा इंतजार खत्म : मुरैना पुलिस की मानवीय पहल से दरभंगा के परिवार को मिला बिछड़ा सदस्य



मुरैना। खाकी का मानवीय चेहरा और कर्तव्यनिष्ठा का अनुसम उदाहरण पेश करते हुए जिला मुरैना के थाना देवगढ़ पुलिस ने एक बिछड़े हुए परिवार को 18 साल बाद पुनर्मिलन की अद्वितीय खुशी दी है। मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वर्षों से लापता बिहार निवासी एक व्यक्ति को पुलिस ने सकुशल

उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार, बिहार के दरभंगा जिले के सिरनिया गाँव का निवासी यह व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण लगभग 18 वर्ष पूर्व अपने घर से भटक गया था। वर्षों की अनवरत तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों की उम्मीदें धुंधली

पड़ने लगी थीं। हाल ही में थाना देवगढ़ पुलिस को यह व्यक्ति मिला, जिसके बाद पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए इसके परिजनों की खोजबीन शुरू की और सफलता हासिल की। थाना परिसर में जब 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद परिजनों ने अपने बिछड़े हुए सदस्य को देखा, तो माहौल अत्यंत भावुक हो गया। चेहरे पर अपनों को वापस पाने की बेपनाह खुशी और आँखों में राहत के आँसू लिए परिजनों ने देवगढ़ पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया। देवगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस का कार्य केवल अपराधों पर अंकुश लगाना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय असहाय लोगों का संबल बनना और बिछड़े अपनों को उनके परिवार तक पहुँचाना भी हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। आज एक परिवार को मुस्कुराता देख जो संतुष्टि मिली है, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

राहुल गांधी का इंदौर दौरा टला, 19 सितंबर संभावित, बिना अनुमति आयोजनों पर रोक

समय जगत, इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का 12 सितंबर को प्रस्तावित इंदौर दौरा फिलहाल टल गया है। नेहरू स्टेडियम की अनुमति न मिलने और आयोजन स्थल तय न हो पाने के कारण दौरा आगे बढ़ाया गया है। अब नई तारीख 19 सितंबर प्रस्तावित है। कांग्रेस ने छत्रों की गुंज कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम की मांग की थी, लेकिन नगर निगम ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया। वैकल्पिक तौर पर रीजनल पार्क के मैदान को देखा जा रहा है, जहां जेसीबी से समतलीकरण भी शुरू किया गया था, लेकिन बारिश के चलते वहां कीचड़ और अव्यवस्था की आशंका है। बुधवार को इवेंट एजेंसी की टीम को सर्वे के लिए आना था, पर जगह फाइनल न होने से वह भी नहीं आई। इधर कांग्रेस ने तारीख को लेकर गणेश उत्सव का भी हवाला दिया है। पार्टी का मानना है कि त्योहार के दौरान छत्र छुड़े घर घर चले जाते हैं, जिससे भीड़ प्रभावित हो सकती है, इसलिए 19 सितंबर के बाद भी तारीख आगे बढ़ सकती है।



बिना अनुमति आयोजन पर रोक, शहर में धारा 163 लागू: इसी बीच कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार इंदौर महानगर सीमा में बिना सक्षम अनुमति के कोई भी राजनीतिक, धार्मिक, धरना, जुलूस या सार्वजनिक आयोजन करना प्रतिबंधित रहेगा। आयोजनों में हथियार, विस्फोटक सामग्री रखना और सड़क जाम कर शांति भंग करना भी बैन रहेगा। उल्लंघन पर BNS 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई होगी। यह आदेश 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा।

गोपन के उपयोग पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध, सीसीटीवी और ड्रोन से होगी निगरानी

गोटमार मेले की तैयारियों को लेकर शांति समिति की बैठक



पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य गोटमार मेले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को कायम रखते हुए आयोजन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना है।

गोपन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई: गोटमार मेले के दौरान गोपन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंध के बावजूद गोपन का उपयोग करते पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेशों का प्रभावी पालन

सुनिश्चित कराया जाएगा। मेले के दौरान सुबह 8 बजे से मेला समाप्ति तक पुलिस एवं प्रशासन की सतत निगरानी रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था से जुड़ी स्थिति सामने आने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

यातायात और पार्किंग की रहेगी विशेष व्यवस्था: मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की सुविधा को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। शहर में उपलब्ध खाली

स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। वहीं बड़े वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर शहर के बाहरी क्षेत्रों में निर्धारित स्थानों पर पार्क कराया जाएगा। प्रवेश और निकासी मार्गों के साथ भीड़ प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएंगी। मेले के दौरान यातायात एवं भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को आयोजित होने वाले साप्ताहिक बाजार को इस बार मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। संबंधित विभागों को बाजार व्यवस्था को लेकर आवश्यक समन्वय एवं तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।